

Sur les pas.....
de Marie Curie



Varsovie
Jeunes années – 1867-1885

Sophie Helena

Marya

Josef Bronislava



Maison natale rue Nowolepki



Eglise de la visitation Eglise Saint Jacques



La maison natale devenue musée



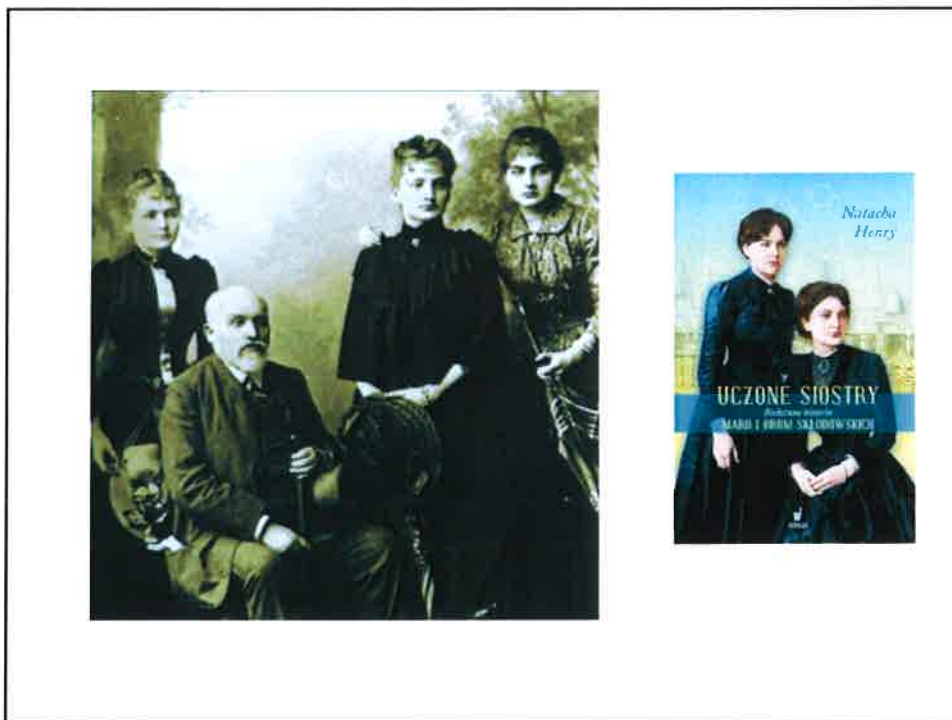
CURIE.

Bronislava Boguska - Wladyslaw Sklodowski



Situation politique de la Pologne en 1867





.... En attendant la Sorbonne
1885-1891

Fin d'études secondaires



Premier amour - Premiers travaux



Casimir Zoraswki



Institut d'agriculture

Les années d'études...
1891- 1895

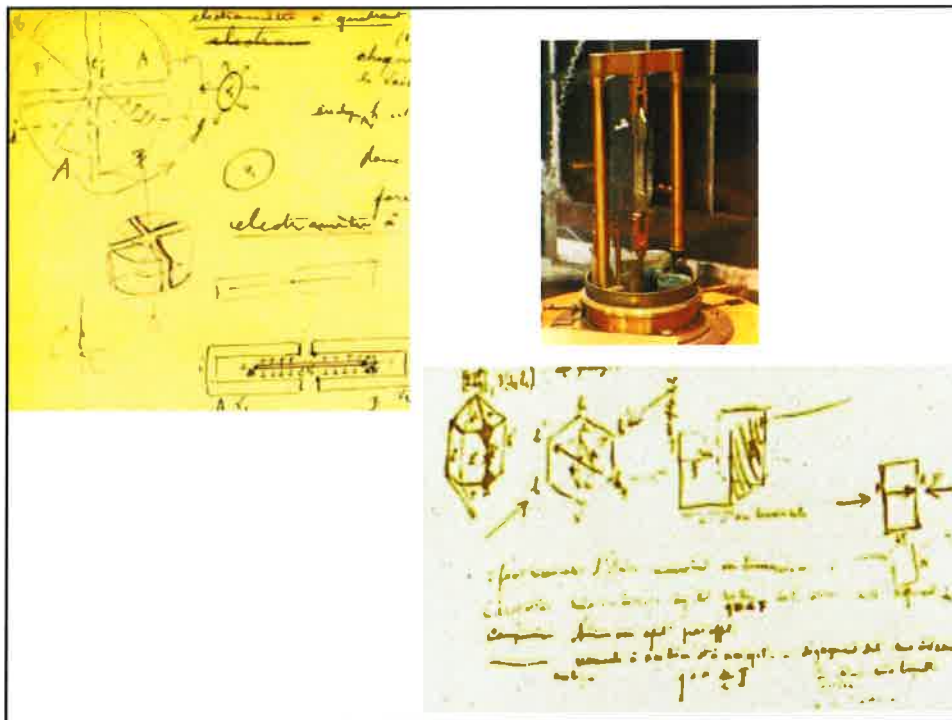


Rencontre avec Pierre Curie 1894



Les femmes de génie sont rares.....





Mariage de Marie et Pierre



1895



Sujet de thèse



25 novembre 1895



21



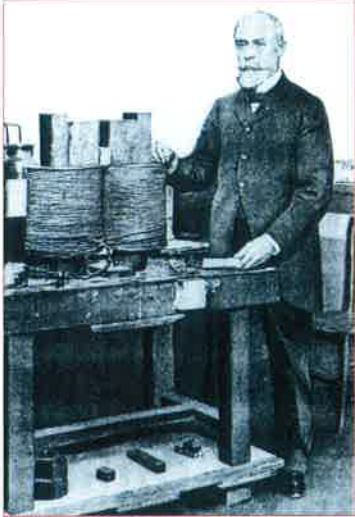
Uhr. aus dem Ort von Straßburg

von W. C. Röntgen


(Vorbereitung)

1. Hatte man durch ein Zylinderförmiges Vacuum
 eine, die einen gewissen wasserichten 'Lichtstrahl'
 durch einen kleinen oder ähnlichen Apparat
 der Entladung eines grossen Ruhmkorff-
 gelien aus dieser die 'Kathodenstrahlen' mit
 einem kleinen tag unterputen Anhalt aus diesem
 schweben. Dabei, so sieht man in dem voll-
 ständ. vertheilten Räume, eine in der Nähe
 des Apparats, gekraute, zu? Bestenplatzes eines
 horizontalen Papierstreifen bei jeder Entladung
 sich aufgewandte, glänzende 'Lichtspitze', ob die
 ausstrahlung aber die andere Seite des Lichtes
 dem Entladung'apparat zuwendet ist. Die
 Fluoreszenz ist noch in 2 m Entfernung von
 sichtbar bemerkbar.

Man überzeuge sich leicht, dass die Ursache der
 Fluoreszenz von Seiten des Entladung'apparats
 von einer kleinen Stelle der Leitung ausgeht.




1861. 90. Sulfate double d'urange et de Potasse
Papier noir. Cuvé de la même matière -
Expérience faite le 27. et a été faite d'autres fois -
Prouvé le 1er mars.



1^{er} mars 1896

23



D. Mendeleev

ОПЫТЪ СИСТЕМЫ ЭЛЕМЕНТОВЪ.

ОСНОВАННОЙ НА ВЪСЪ АТОМНЫХЪ ВѢСОВЪ И ХАРАКТЕРНЫХЪ СВОЙСТВАХЪ.

	Ti=50	Zr=80	?=100.	
	V=51	Nb=94	Ta=182.	
	Cr=52	Mo=98	W=186.	
	Mn=55	Rh=104.	Pt=197.	
	Fe=56	Ru=104.	Ir=196.	
	Ni=Co=59	Pd=106.	O=108.	
	Cu=63.	Ag=108	Hg=200.	
H=1				
Be=9.	Mg=24	Zn=65.	Cd=112	
B=11	Al=27.	?=68	U=116	Am=187?
C=12	Si=28	?=70	Sn=118	
N=14	P=31	As=75	Sb=122	Bi=210?
O=16	S=32	Se=78.	Te=128?	
F=19	Cl=35.	Br=80	I=127	
Li=7	K=39	Rb=85.	Cs=133	Tl=204.
	Ca=40	Sr=87.	Ba=137	Pb=207.
	?=45	Ce=92		
	YEr=86	La=94		
	?=90	Di=95		
	Mn=76.	Th=118?		

D. Mendeleev


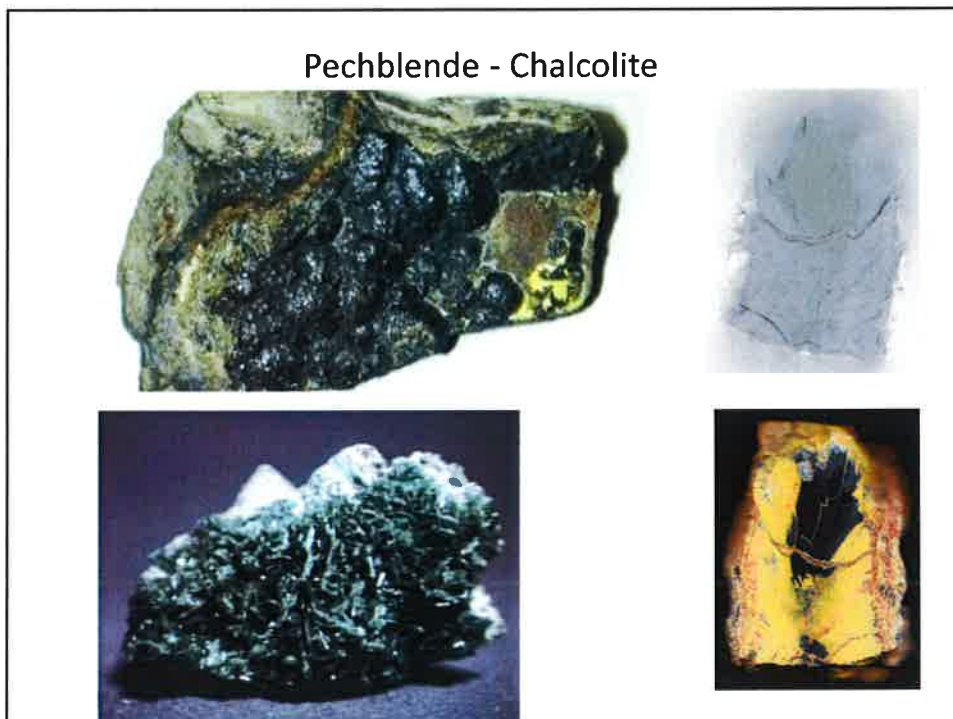
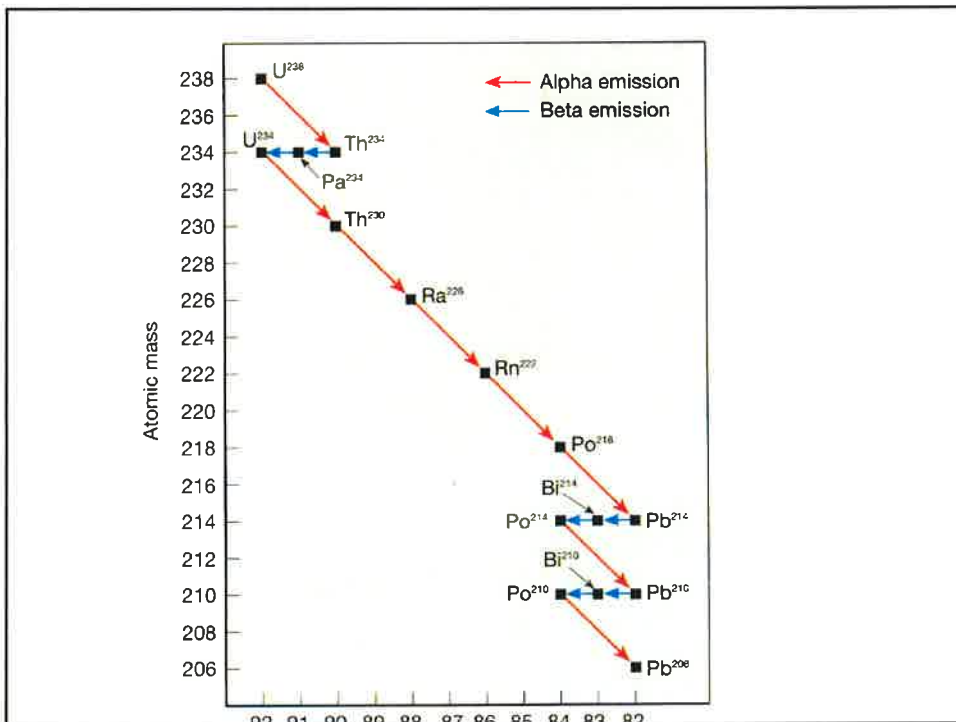


Tableau périodique des éléments

- Numéro atomique
 - Symbole chimique
 - Masse atomique

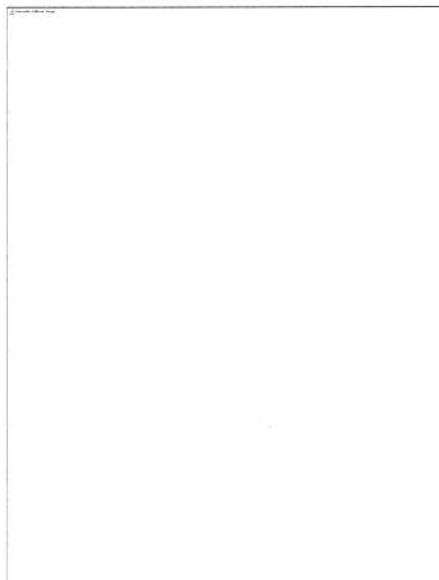
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

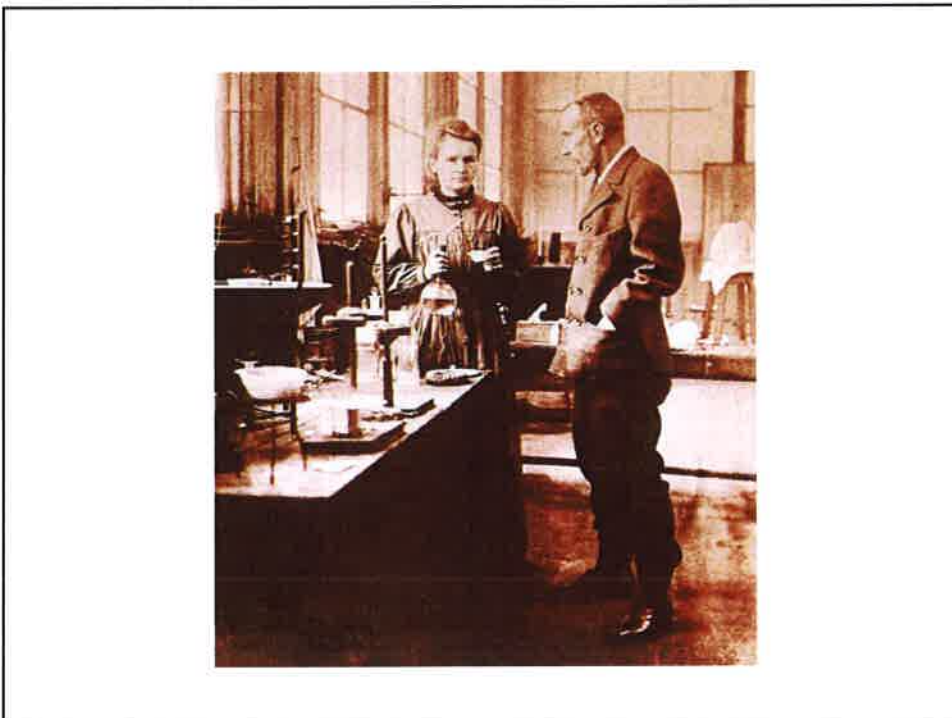
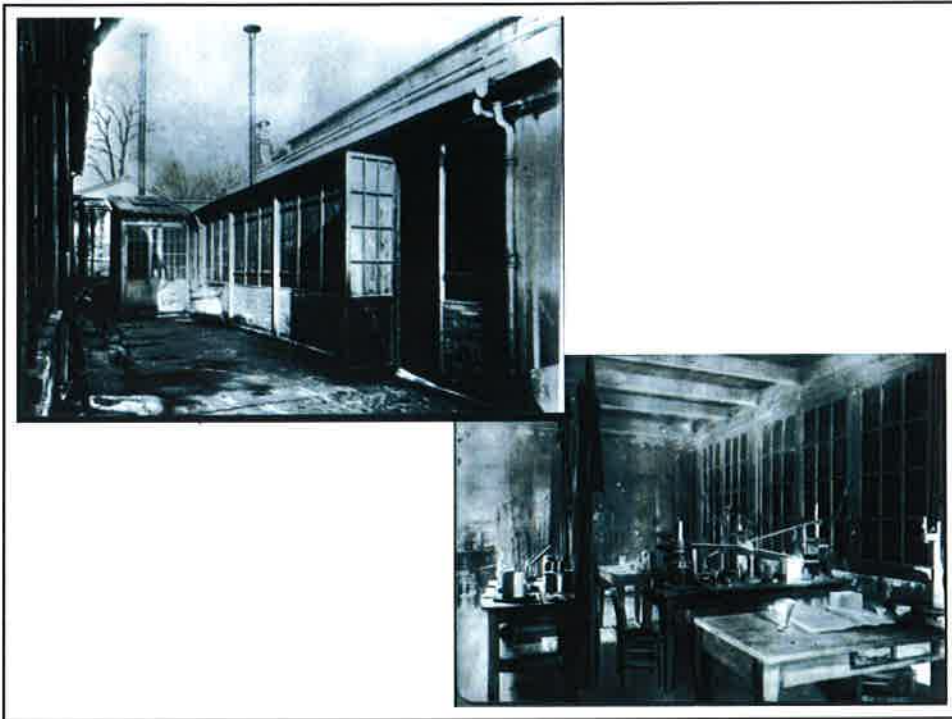




Travail de forçat....1898-1902

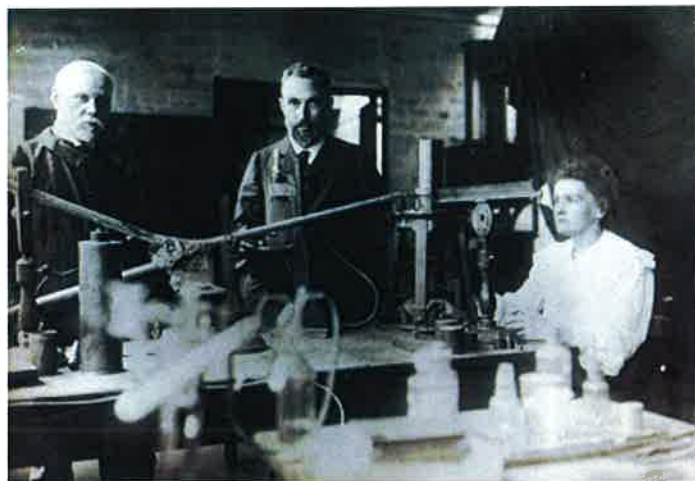
Ecole municipale de physique et chimie
industrielles de Paris







Ecole normale de Sèvres





Carnet de laboratoire

*restes blancs et allongés
 avant que matière s'échauffe 110°
 de l'eau sans des régimes à 60°*

3/4 (5/8) ...

5. Juin
Messurage de l'apareil
100 - 14°
200 - 20° $1/2 \text{ m} = 50 \text{ m}$

Mètre B a ...
100 - 11°
200 - 17° $1/2 = 5.9 \text{ m}$

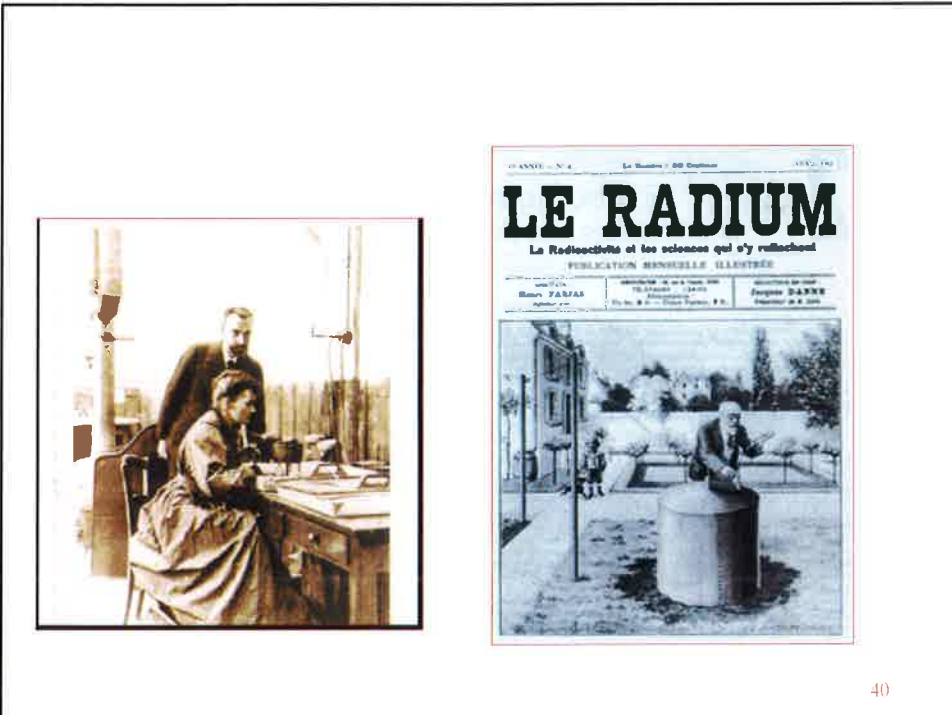
Le mètre I obtenu ...
avec ...
qui ...
par addition ...

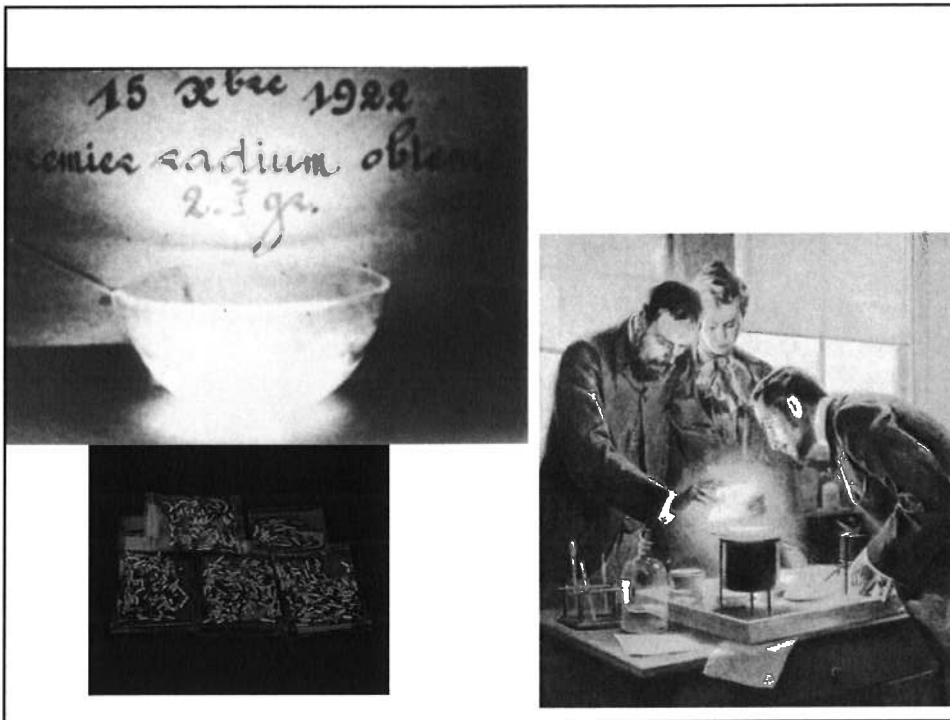
1903 – Thèse et Prix Nobel



Lauréats du prix Nobel de physique 1903







Paris le 1 Janvier 1903

Madame, le traitement de cause par le radium n'est malheureusement encore pas bien établi, on a seulement fait quelques essais qui semblent donner de bons résultats, mais je ne puis guère vous proposer qu'il y a espoir de guérison par cette cause, d'autant plus que son cancer est très profond, puis que c'est dans l'utérus. - Cependant allez consulter le docteur Bédalère qui s'occupe de cette question; il reçoit à l'hôpital Saint Antoine tous les jours à 10 heures du matin. Et vous dira s'il y a quelque chose à faire. Agréez, Madame, je vous prie, mes salutations

M. Curie

FACULTÉ DES SCIENCES DE PARIS
(72, rue Cassini)
Département préparatoire en Sciences Physiques, Chimiques et Mathématiques

COURS de PHYSIQUE

Paris, le 25 Décembre 1905

Monsieur,

Mais recevoir des lettres manquant de gens qui demandent à être traités par le Radium. - Voici ce point une de ces lettres. - de vous le voyez bien je vous envoie les lettres de ce genre pour que vous distinguiez sans erreur si dans certains cas on pourrait avec quelque chance de succès essayer le Radium. -

Si vous pouvez vous en occuper et l'adresser à ceux qui s'adressent à moi - certains cas aussi pourraient peut-être être traités par les rayons X. -

Si vous voulez faire quelques essais on fait respirer l'uranium, mais pour disposer quelque chose dans ce but, mais peut-être devant et pendant de faire quelques essais sur les animaux. -

Agréez, monsieur, je vous prie mes sincères salutations.

P. Curie

La maison de la porte de Gentilly
Vie sociale des Curie

106 Bld Kellerman





Loïe Fuller et Rodin

Surtout des savants.....



Sorbonne sur mer Port Savant



Disparition de Pierre Curie
Cours à la Sorbonne

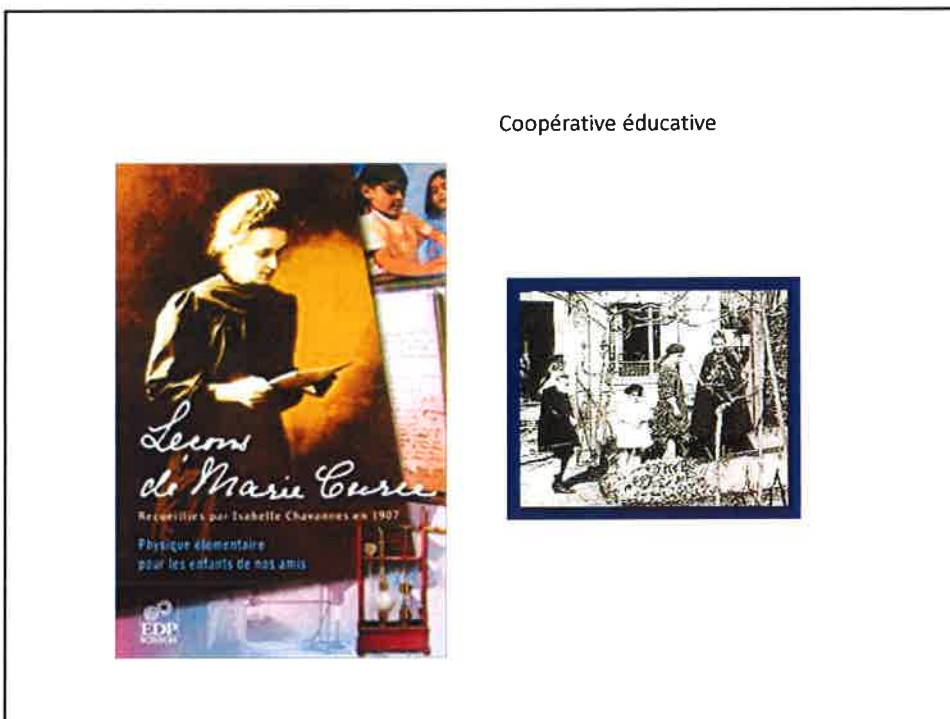
Mort accidentelle de Pierre

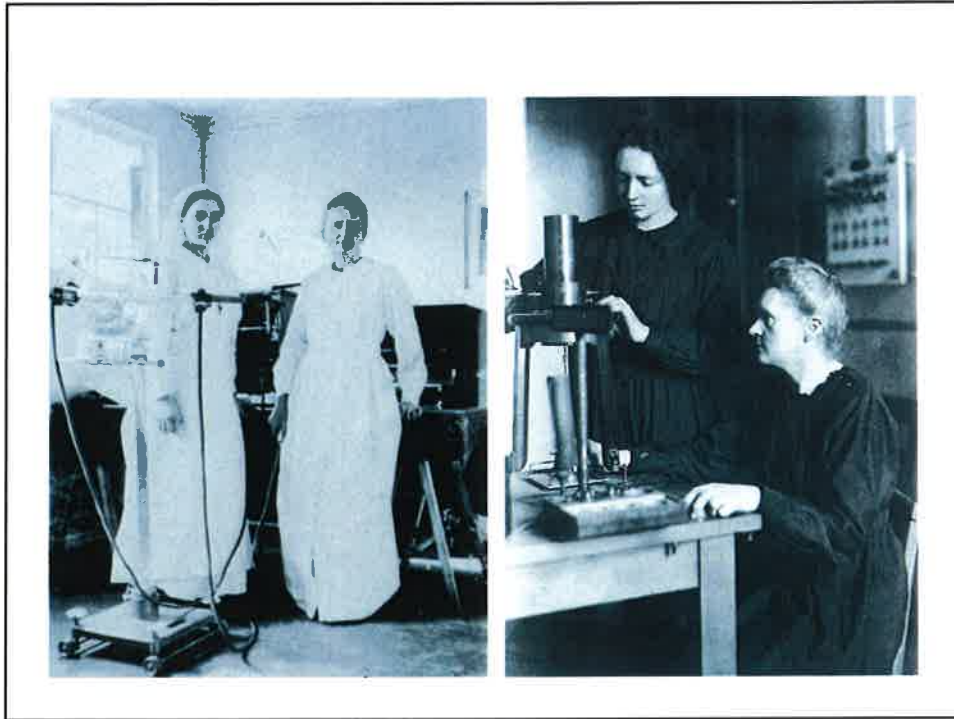




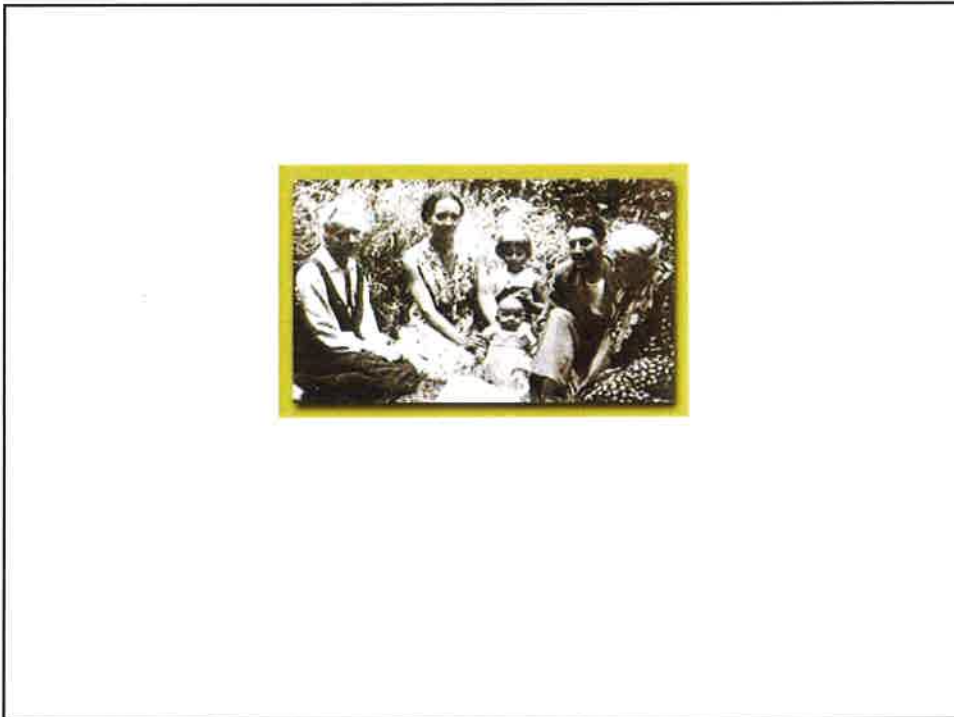
Une mère de famille











1910-1911 Annus horibilis (ou presque)

Curie ou Branly
L' affaire Langevin
Prix Nobel





Prix Nobel de Chimie 1911



Quai de Béthune



COMMISSION INTERNATIONALE DES ÉTALONS DE RADIUM.

CERTIFICAT.

Das als Chlorid dargestellte Radiumpräparat No. 6 enthaltenes St. Joachimsthaler Urerzschmelzende und ist demnach praktisch frei von Mesothorium.

En suit est N° 6 Milligrammes.

En wurde am 1.12.1913 eingekommen in ein Glasröhren (Thuringer Glas) von 0.27 mm Wandstärke, äußeren Durchmesser 5.2 mm, Länge 2.5 mm, an dessen Ende ein kleiner Platindruck angebracht ist.

Damit wurde als Sekundärstandard an dem Wiener Etalon und an dem internationalen Standard in Paris nach anderen Verhältnissen unabhängig voneinander gemessen.

Der γ -Strahlung nach ist es im Jahre 1913 äquivalent 5048 mg RaCl₂ (Die jährliche Aktivität beträgt etwa 0.4 Curie.)

Unter Zugrundelegung der Atomgewichte von

226 für Radium
354.5 für Chlor
79.9 für Brom

entspricht dies
12.55 mg für Radium,
20.08 mg für RaCl₂,
22.55 mg für RaBr₂.

Die Genauigkeit dieses Angabe wird auf 0.2% für gemessen gehalten.

La Préparation de Chlorure de Radium contenue dans l'épave No. 6 provient de la pitchblende de St. Joachimsthal. Elle est donc pratiquement exempte de Mesothorium.

Elle contient 5048 milligrammes de sel.

Le sel a été enfermé le 1/12/1913 dans un tube de verre (Verre de Thuringe) épaisseur de 0.27 mm; Diamètre extérieur 5.2 mm; Longueur 2.5 mm. Un fil de platine fin a été inséré à l'extrémité du tube.

En qualité d'étalon secondaire l'épave a été comparée à l'Etalon de Vienne et à l'Etalon international de Paris, au moyen de méthodes de mesure basées sur le rayonnement γ . La comparaison a été faite indépendamment à Vienne et à Paris.

D'après son rayonnement γ , la Préparation équivaut en l'année 1913 à 5048 mg. RaCl₂ (La désintégration par année est de 0.4 pour mille.)

En adoptant les poids atomiques suivants:

Radium . . . 226
Chlor . . . 354.5
Brome . . . 79.9

on obtient le nombre correspondant au Radium équivaut en l'année de Radium:

12.55 mg.
RaCl₂ 20.08 mg.
RaBr₂ 22.55 mg.

La précision de ces résultats est considérée comme égale à une approximation de 0.2%.

Specimen No. 6 of Radium is prepared as chloride from pitchblende of St. Joachimsthal and is consequently practically free from Mesothorium.

It contains 5048 milligrammes of salt.

It was contained the 1/12/1913 in a glass tube (Thuringian glass) of 0.27 mm thickness, exterior diameter 5.2 mm, length 2.5 mm, a thin platinum wire being fused into the end of the tube.

It is certified as Secondary Standard by comparison with the Vienna-Standard and with the international Standard at Paris, several independent verifications being made.

Measured by the γ -radiation, it is in the year 1913 equivalent to 5048 mg. RaCl₂. (The yearly decay is about 0.4 per mille.)

Taking the atomic weights

226 for Radium
354.5 for Chlorine
79.9 for Bromine

this corresponds to

12.55 mg for Radium,
20.08 mg for RaCl₂,
22.55 mg for RaBr₂.

These statements are considered correct to 0.2%.

Für die Wiener Messung
S. Meyer

Pour les mesures faites à Paris
M. Curie

Revised for Commission
E. Rutherford

Une patriote La guerre 1914-1918

Marie Curie
la guerre de 14-18

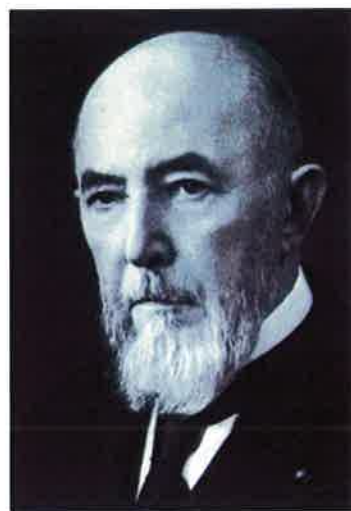
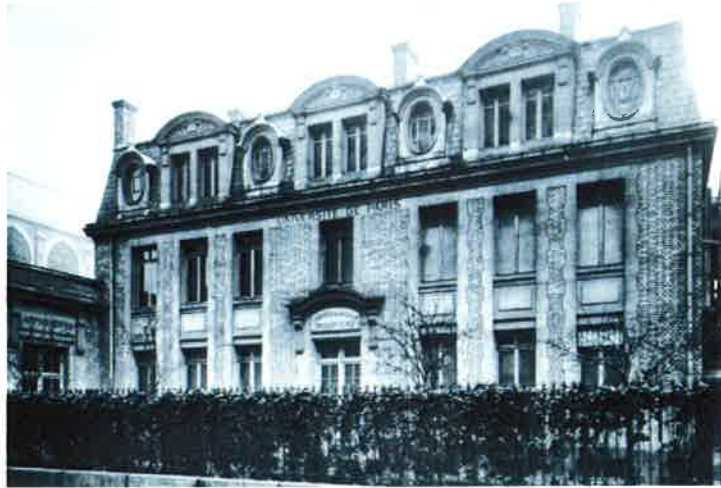




L'institut du Radium

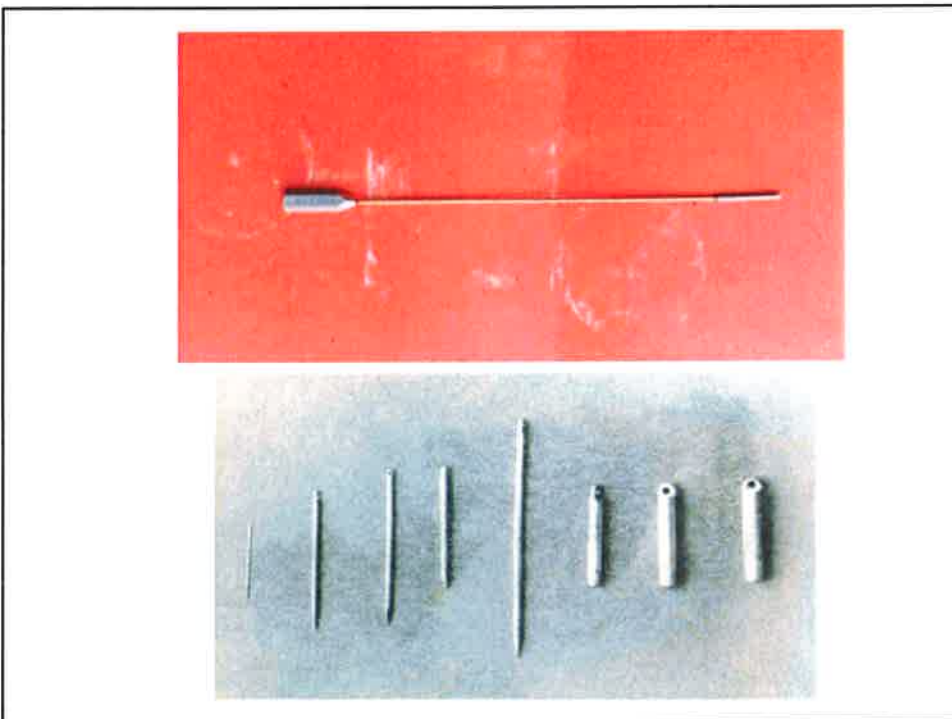


Institut du Radium 1925



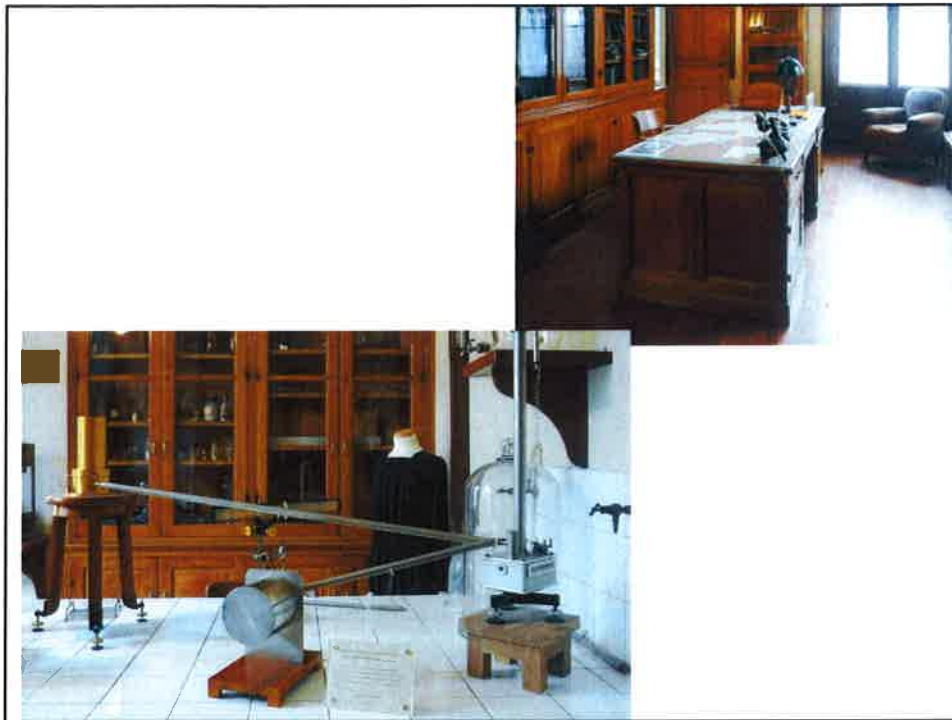
Fondation Curie 1921





Laboratoire
voyages et conférences





Le jardin de l'institut Curie



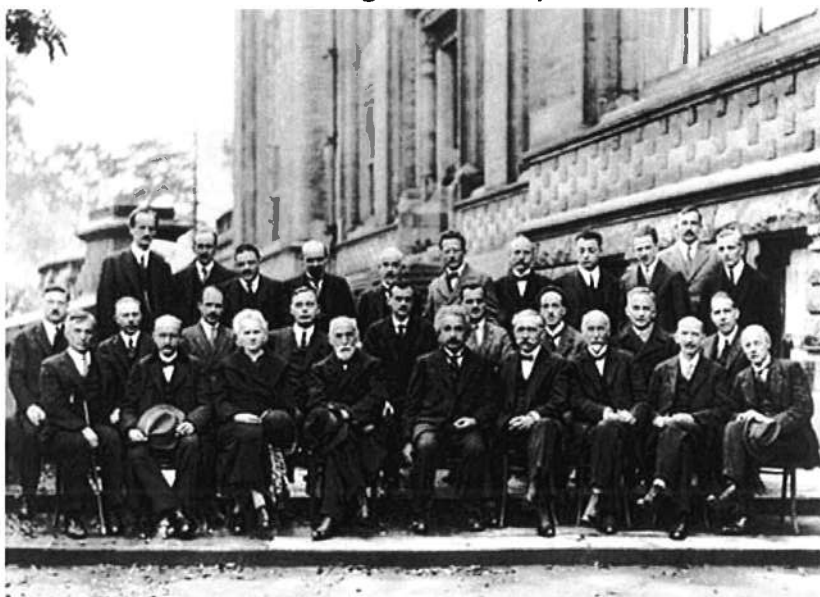
SDN - 1922

Commission Internationale
de
Coopération Intellectuelle

Arts et Métiers 1925



Congrès Solvay 1927



Voyage US 1929



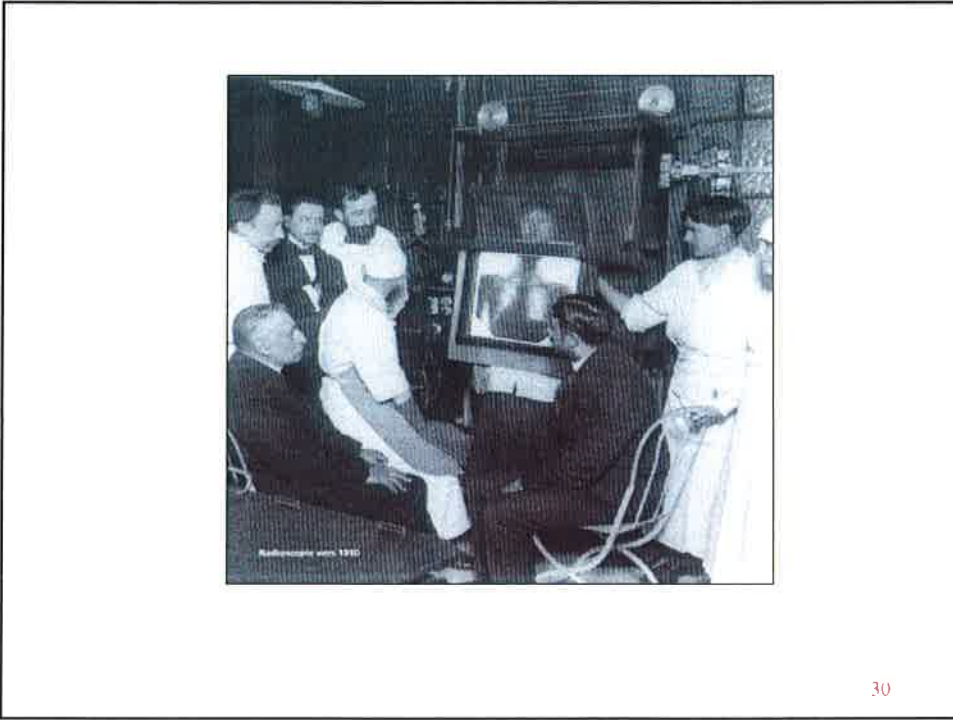
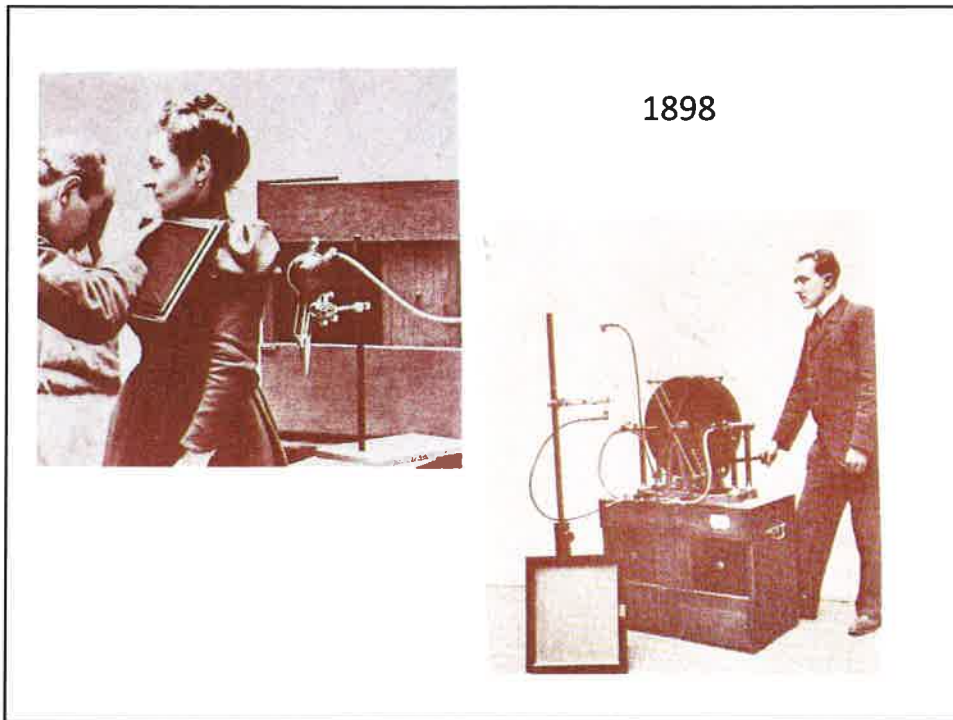
Laboratoire usine Arcueil



Congrès Solvay 1933

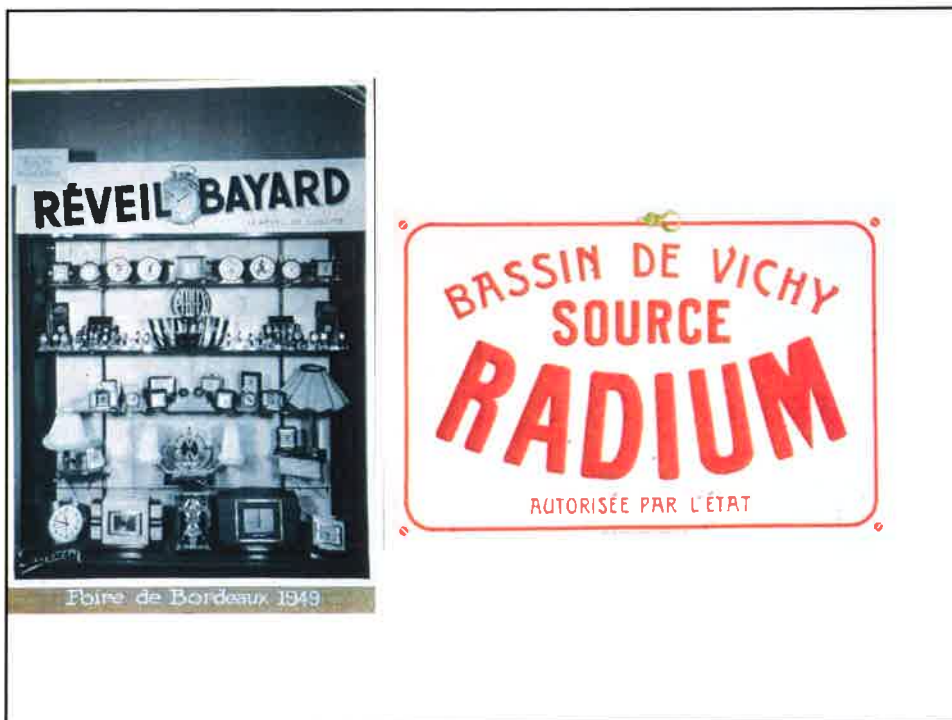


Avancées radiologiques



Peinture de Chicotot





La folie radioactive



Spectacles

35

Peinture, Beauté, Hygiène, Santé, Agriculture...
le radium dans tous ses états





37



*Une saine et douce chaleur
radio-active...*

Une laine simple, élastique, résistante, souple et confortable qu'on emploiera physiquement et dans les circonstances où l'on recherche l'absence de gêne, l'absence de chaleur, l'absence de poids, l'absence de bruit, l'absence de fatigue, l'absence de douleur. Une laine sans égale, une laine merveilleuse, propre de toute une tradition, une laine française. Elle vous donnera la sagesse de l'âge, les forces de l'adolescence, les joies de la jeunesse.

LAINES ORADIUM

Une laine précieuse de couleur et d'énergie, saine, durable, résistante. C'est la laine de la laine. MESSIAS, 10, rue de la Harpe, PARIS - Tél. 77 22

La laine précieuse de couleur et d'énergie, saine, durable, résistante. C'est la laine de la laine. MESSIAS, 10, rue de la Harpe, PARIS - Tél. 77 22



38



Radiopharmacie

Radithor et Eben Byers (1932)





URANIUM ARSENICICUM 3CH

RADIUM BROMATUM 7CH

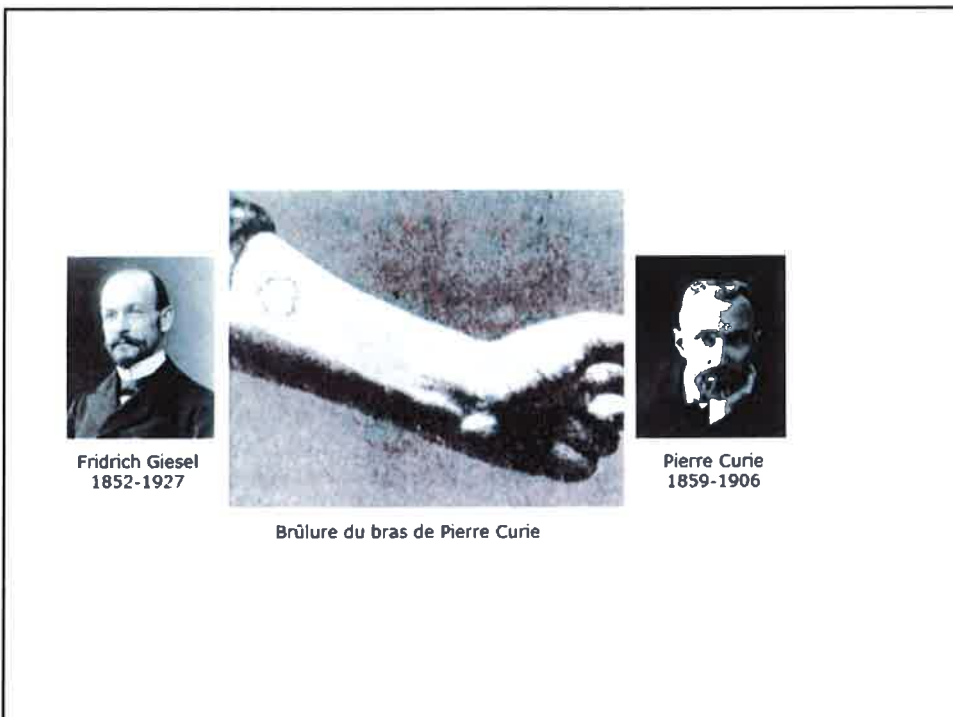
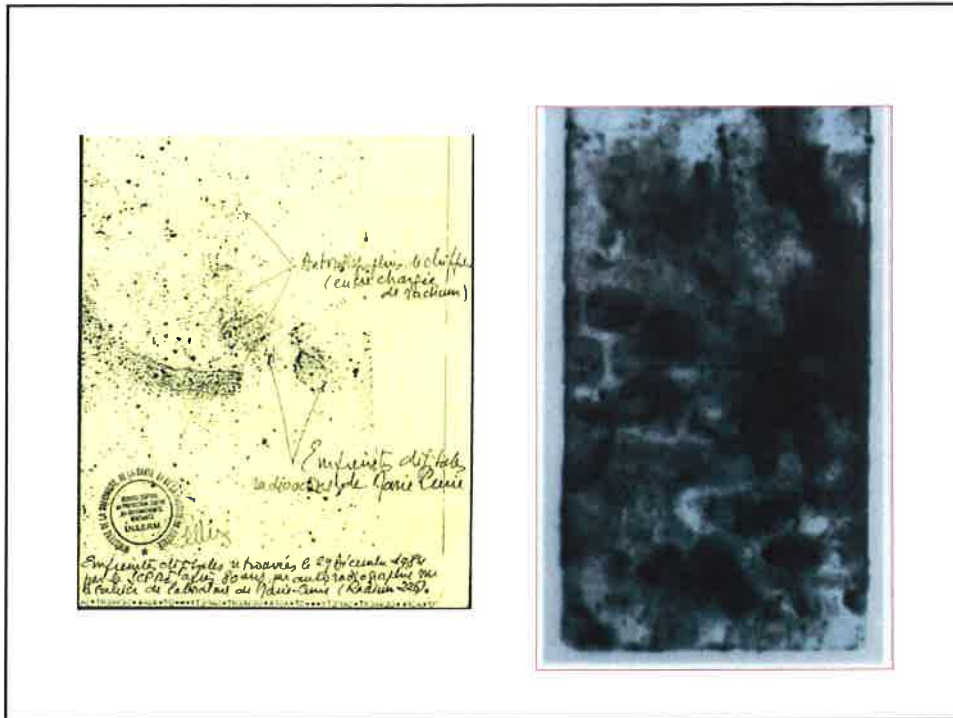
RAYONS X 3CH

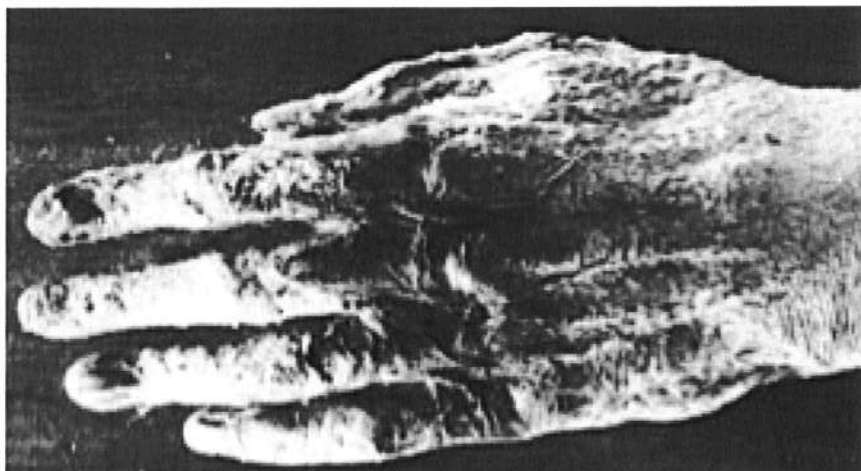
Polissos

Ne pas dépasser
la dose prescrite

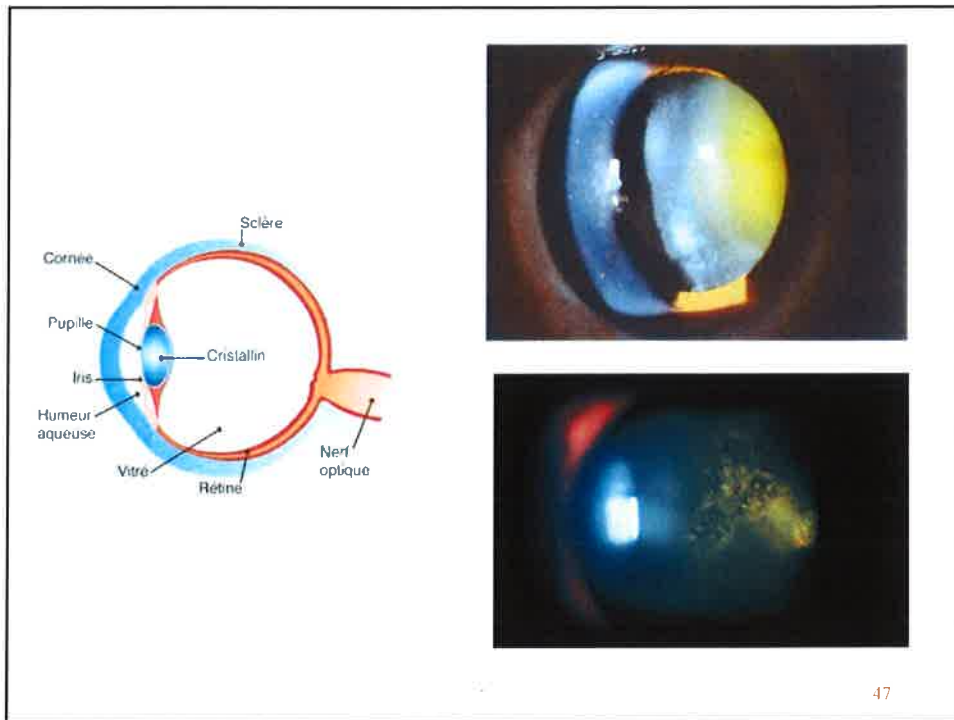
41

Pionnière.....
Abstention du danger...





Dernières années
Disparition de Marie Curie



Portraits de Marie Curie 1921 - 1934





Hommage
Pierre et Marie
Curie
au Panthéon
La patrie
reconnaissante



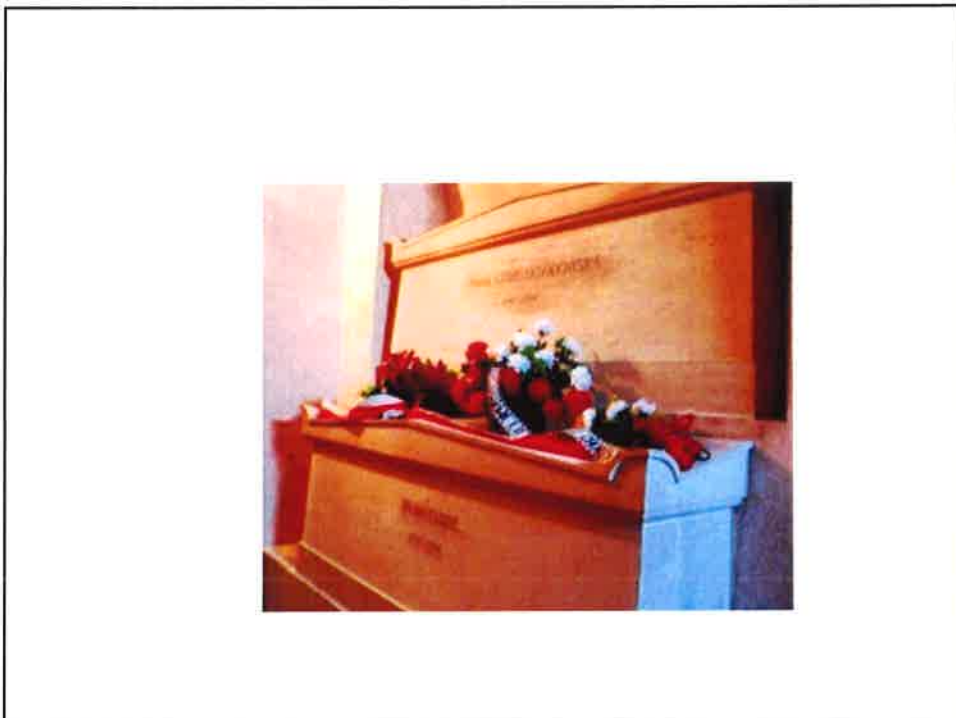


**Pierre et Marie Curie
au Panthéon**



Ext cimetière : 60-70 nGy/h
 Dans le cimetière : 90-500 nGy/h
 Moyenne : 200 nGy/h
 Radon : 13 Bq/m³
 -1,50 m : 100 nGy/h
 Radon : 18 Bq/m³

	Marie	Pierre
Cercueil	170 nGy/h	240 nGy/h
Surface os (Ra 226)	-	40 Bq/Kg





Hommage du 13ème

Un destin... un mythe...un symbole



Dernière leçon..... Le rosier Marie Curie



57